गुजरात के कच्छ क्षेत्र में गैस का पता लगना

333. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में कच्छ तथा अन्य स्थानों पर कच्चा तेल प्राप्त करने की प्रक्रिया में कितनी मात्रा में गैस निकलती है तथा उसमें से कितने प्रतिशत गैस उपयोग में आती है और कितने प्रतिशत बेकार नष्ट हो जाती है ; और

(ख) इस प्रकार पाई गई गैस और तेल को पूरी मात्रा के उपयोग के लिये क्या प्रयत्न किये जा रहे हैं तथा इस सम्बन्ध में कब तक सफलता मिलने की आशा है ?

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) और (ख) कच्छ क्षेत्र में अभी तक कच्चा तेल अथवा गैस प्राप्त नहीं हो सका है । गुजरात में अन्य स्थानों से उत्पादित समस्त कच्चे तेल की मात्रा को पूर्ण रूप से उपयोग में लाया जा रहा है परन्तु उत्पादित गैस के लगभग 96 प्रतिशत को विभिन्न, प्रयोगकर्ताओं को देने का वायदा किया गया है । परिसंचालन कारणों के परिणामस्वरूप गैस की कुछ मात्रा को उड़ाया जा रहा है और शेष गैस जिसको उड़ाया जायेगा, उसका छोटे पृथक क्षेत्रों से तेल के साथ उत्पादन किया जाएगा । विपुल उपयोग के लिए गैस की इस कम मात्रा को कुछ स्थानों से स्थानान्तरित करना और एक केन्द्रीय स्थान पर एकत्र करना लाभकारी नहीं है । फिर भी तेल और प्राकृतिक गैस आयोग उन ग्राहकों की तलाश में रहता है जो कि इन पृथक क्षेत्रों के निकट ऐसी गैस का प्रयोग कर सकें ।

बम्बई हाई में ड्रिलिंग कार्य

334. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या पैट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बम्बई हाई में तेल प्राप्त करने के प्रयासों में कितनी सफलता प्राप्त हुई ,

(ख) बम्बई हाई से अब कितना तेल निकलने लगा है ; और

(ग) ड्रिलिंग की आगे की और योजना क्या है तथा वहां कितनी मात्रा में तेल मिलने की संभावना है ?

पैट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) बम्बई हाई में तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग ने अनेक अन्वेषणात्मक व मूल्यांकन कुओं का पहले से व्यधन किया है और ऐसा पता लगा है कि इन में से अधिकांश कुओं में हाईड्रोकार्बन उपलब्ध है । अनेक उत्पादन कुओं की भी खुदाई की जा चुकी है ।

(ख) लगभग 35,000 बैरल प्रति दिन ।

(ग) वर्ष 1977-78 के दौरान बम्बई हाई में तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग को अनेक कुओं के खोदने की एक योजना है और वह यथासम्भव न्यूनतम समय में इस क्षेत्र के सर्वोत्तम विकास के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहा है । इस क्षेत्र में वर्ष 1976-77 में कच्चे तेल का उत्पादन 0.4 मि०मी० टन से भी अधिक था, वर्ष 1977-78 में इसमें लगभग 2.50 मि०मी० टन के उत्पादन की योजना है और इसके वर्ष 1981-82 तक 10 मि०मी० टन तक जाने की आशा है ।